

आश्वासन दिया गया था, उस पर अमल नहीं हुआ है। मैं चाहता हूँ कि बिना किसी विलम्ब किए अगले लोक सभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र के धनगर समाज के लिए अनुसूचित जनजाति, यानी ST का आरक्षण लागू किया जाए।

MR. CHAIRMAN: Sardar Sukhdev Singh Dhindsa, not present. Shri Ram Nath Thakur.

Demand to implement the Ayushman Bharat Scheme speedily by spreading awareness about the same in the country

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सभापति महोदय, जब भारत सरकार ने "आयुष्मान भारत योजना" की घोषणा की, तो गरीबों के मन में यह आशा जगी कि अब धन के अभाव में भी गरीब आदमी अपनी गंभीर बीमारी का इलाज करवा सकेंगे और इलाज पर होने वाले भारी खर्च के बोझ से वे नहीं दबेंगे, लेकिन सभापति जी, लगभग चार माह का समय बीत जाने के बाद भी आज तक इस योजना से लोगों को व्यापक लाभ नहीं मिल पा रहा है। पहली बात यह है कि अभी तक ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में लोगों को इस योजना के बारे में पता ही नहीं है। अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रम की स्थिति है, क्योंकि उन्हें यह पता ही नहीं कि उनका कार्ड किस प्रकार बनेगा, उनका इलाज कहाँ होगा अथवा उनके इलाके में कौन-कौन से अस्पताल इस प्रयोजन के लिए पैनल पर लिए गए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह योजना बहुत अच्छी है। यदि इस योजना को धरातल पर उतारा जाए तो गरीबों के लिए स्वास्थ्य से जुड़े मसलों का बहुत हद तक समाधान हो जाएगा और इलाज के भारी खर्च को झेलने के लिए गरीब आदमी जो अपनी जमीन आदि बेचता है, उससे वह बच जाएगा।

अतः मैं सरकार से माँग करता हूँ कि इस योजना का व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोग इससे होने वाले लाभ से अच्छी तरह परिचित हो सकें, इसके लिए जारी किए जाने वाले कार्ड को यथाशीघ्र गरीबों के बीच वितरित किया जाए तथा इसमें इलाज के लिए अधिकाधिक अस्पताल पैनल पर लिए जाएँ, ताकि लोगों को अपने आस-पास ही इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके।

Demand for establishment of sufficient Blood Banks in each District of the country

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, देश भर में ब्लड-बैंक की व्यवस्था अभी भी संतोषजनक नहीं है। देश के ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी खराब है। हम अक्सर देखते हैं कि समय पर रक्त की व्यवस्था न हो पाने के कारण मरीजों की मौत हो जाती है। वर्तमान समय में, भारत में प्रत्येक 10 लाख की आबादी पर तीन से भी कम ब्लड-बैंक हैं, जबकि मेरे राज्य बिहार में यह अनुपात और भी कम है। पूरे भारत में अभी भी 74 जिले ऐसे हैं, जहाँ कोई ब्लड-बैंक नहीं है। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करना चाहती हूँ कि जिन जिलों में ब्लड-बैंक नहीं है, वहाँ यथाशीघ्र ब्लड-बैंक की स्थापना की जाए।

महोदय, WHO के अनुसार, कुल जनसंख्या के सिर्फ एक प्रतिशत द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने से रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है, इसलिए इस संबंध में मैं कुछ सुझाव देना चाहती हूँ। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को देश के सभी जिलों में Blood-on-Wheels योजना चलानी चाहिए।

اس योजना میں بیہار جیسے ریاستوں کو پراথমیتا دی جانی چاہیے، جہاں بلیڈ-بئنک کافی کم ہیں۔ میرے گھر جیلے ماغالپور میں "بیہار بنگالی سمیتی" جیسے کچھ سنگٹن رکتدان کے کٹر میں کافی ورشوں سے سکریم ہیں۔ اظرفوکت یोजना میں اس طکار کے روائییک سنگٹنوں کی مہی مدد لی جا سکتی ہے۔ ساٹھ ہی، سہی طرمخ بلیڈ-بئنکوں میں Single Donor Platelets (SDP) مشین کی مہی بصرسا کی جانی چاہیے۔ اس کے االاوا، رکتدان کے بارے میں جاااروکتا फैلانی کے لیے سوارسٹھ منترالای کو اسے پاٹچکرموں میں شامل کرنے کے مہی طراس کرنے چاہیے۔

†محترمہ کہکشاں پروین (بہار): مہوڈے، دیش بھر میں بلیڈ-بئنک کی ویوسٹھا ابھی

بھی سنٹوشجنک نہیں ہے۔ دیش کے گرامین علاقوں میں حالت اور بھی خراب ہے۔ ہم اکثر دیکھتے ہیں کہ وقت پر خون کا انتظام نہ ہونے کی وجہ سے مریضوں کی موٹ ہو جاتی ہے۔ حالیہ وقت میں، بہارت کے دس لاکھ کی آبادی پر تین سے بھی کم بلیڈ بئنک ہیں، جبکہ میرے راجیہ بہار میں یہ تناسب اور بھی کم ہے۔ پورے بہارت میں ابھی بھی 74 ضلعیں ایسے ہیں، جہاں کوئی بلیڈ بئنک نہیں ہے۔ اسلئے میں سرکار سے یہ آگریہ کرنا چاہتی ہوں کہ جن ضلعوں میں بلیڈ بئنک نہیں ہے، وہاں جلد سے جلد بلیڈ بئنک قائم کیا جائے۔

مہوڈے، ڈبلیو۔ایچ۔او۔ کے مطابق، کل آبادی کے صرف ایک فیصد کے ذریعے ہی اپنی مرضی سے رکت-دان کرنے سے خون کی کمی کو پورا کیا جا سکتا ہے، اس لئے اس سمبندھ میں، میں کچھ سچھاؤ دینا چاہتی ہوں۔ کینڈریہ سواستھ منترالئے کو دیش کے سبھی ضلعوں میں بلیڈ-آن-وبلس یوجنا چلانی چاہئے۔ اس یوجنا میں بہار جیسے راجیوں کو پراٹھمکتا دی جانی چاہئے، جہاں بلیڈ

بئنک کافی کم ہیں۔ میرے گریہ ضلع بھاگلپور میں "بہار بنگالی سمیتی" جیسے کچھ سنگٹن رکت-دان کے چھیتر میں کافی سالوں سے سکریم ہیں۔ مندرجہ بالا یوجنا میں اس طرح کے سوچھک سنگٹنوں کی بھی مدد لی جا سکتی ہے۔

ساتھ ہی، سبھی طرمکھ بلیڈ بئنکوں میں Single Donor Platelets (SDP) مشین کی بھی ویویسٹھا کی جانی چاہئے۔ اس کے علاوہ، رکت-دان کے بارے میں جااارکتا پھیلانے کے لئے سواستھ منترالیہ کو اسے کورسوں میں شامل کرنے کی بھی کوشش کرنی چاہئے۔

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूँ।

† Transliteration in Urdu script.